

## Padma Shri



### SMT. BEGAM BATOOL

Smt. Begam Batool is a Bhajan & folk Maand singer from Rajasthan. She plays Harmonium, Tabla, Dholak, Dhol, Daf and intercontinental instruments like Djembe and Darbouka. Her unique style is to sing while playing the tabla herself.

2. Born on 20<sup>th</sup> September, 1956 in a small village Kerap in Rajasthan, Smt Batool comes from Mirasi community. Women of this community are still confined to sing only within the four walls of their home. It was never easy for her to learn music and to sing on public stage. She got married in her childhood. Despite of all these social obstacles, she did not lose courage. Her husband and sons also supported her to continue her musical journey for the past 50 years.

3. In 2016, Smt. Batool was invited to perform in France and since then she has been regularly performing in Europe. Today she is an internationally acclaimed artist performing in India, France, Australia, Tunisia, Italy, Belgium, Switzerland, Spain, Holland, Germany, Monaco and many more countries spreading in 4 continents. She is the only Rajasthani singer to perform at the prestigious Town Hall of Paris. She also performed at international film festival of Cannes, Paris Olympic Games 2024, Cathedral of Saint-Louis in Tunisia, Parliament of Victoria in Australia, Mina Agrupa Vicenta in Spain etc. She is an integral part of international fusion music band “Bollywood- Klezmer”, this is a unique musical group in the world in which artists from four religions of the world (Hindu-Muslim-Christian-Jewish) present the fusion of their traditional music. She recently recorded a Ram Bhajan with famous French music Directors duo Paul Armand-Deiille and Alexandre Grynspan for their upcoming project. Since 2017, she is performing regularly at Europe's biggest Holi festival in Paris. More than 30000 people participate in this festival every year. Life of Mrs Batool has inspired the famous French film director Audre Gordon therefore she is making a documentary on the musical journey of Begam Batool.

4. Smt. Batool continues to motivate other women in her surroundings to go out and work in the field of their choice. Inspired by her now girls in her community are learning and performing music. She has been teaching traditional music to new generation and many of her disciples are performing around the world and promoting Indian music and culture.

5. Smt. Batool received “Nari Shakti Puraskar” from the Hon'ble President of India in 2022. She received “Bharat Gaurav Award” at the Senate of France in Paris in 2024, Certificate of Honor at the Parliament of Victoria in Australia in 2024, conferred with “Rajasthan Gaurav Puraskar” by Hon'ble Governor of Rajasthan in 2023, conferred with “Achievers Award” by Global Organization of People of Indian Origin in France in 2021, received “Certificate of Excellence” on International Women's Day 2020 from GOPIO South Africa and “Rajbhasha Samman” by Bank of Baroda in 2022.



## श्रीमती बेगम बतूल

श्रीमती बेगम बतूल राजस्थान की एक भजन और लोक मांड गायिका हैं। वह हारमोनियम, तबला, ढोलक, ढोल, दफ तथा जेम्बे और दरबौ का जैसे अंतरमहाद्वीपीय वाद्ययंत्र बजाती हैं। उनकी अनूठी शैली खुद तबला बजाते हुए गाना है।

2. 20 सितम्बर 1956 को राजस्थान के एक छोटे से गांव केराप में जन्मी, श्रीमती बतूल मीरासी समुदाय से आती हैं। इस समुदाय की महिलाएं आज भी घर की चारदीवारी के भीतर ही गाने तक सीमित हैं। उनके लिए संगीत सीखना और सार्वजनिक मंच पर गाना कभी आसान नहीं रहा। बचपन में ही उनकी शादी हो गई थी। इन तमाम सामाजिक बाधाओं के बावजूद, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। पिछले 50 सालों से उनके संगीत के सफर को जारी रखने में उनके पति और बेटों ने भी उनका साथ दिया।

3. वर्ष 2016 में, श्रीमती बतूल को फ्रांस में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था और तब से वह नियमित रूप से यूरोप में प्रदर्शन कर रही हैं। आज वह भारत, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, ट्यूनीशिया, इटली, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, स्पेन, हॉलैंड, जर्मनी, मोनाको और 4 महाद्वीपों में फैले कई अन्य देशों में प्रदर्शन करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कलाकार हैं। वह पेरिस के प्रतिष्ठित टाउन हॉल में प्रदर्शन करने वाली एक मात्र राजस्थानी गायिका हैं। उन्होंने कांस के अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, पेरिस ओलंपिक खेल 2024, ट्यूनीशिया में सेंटलुइस के कैथेड्रल, ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया की संसद, स्पेन में मीना अग्रूपा विसेंटा आदि में भी प्रदर्शन किया है। वह अंतराष्ट्रीय फ्यूजन संगीत बैंड "बॉलीवुड – क्लेज़मर" का एक अभिन्न अंग है, यह दुनिया का एक अनूठा संगीत समूह है जिसमें दुनिया के चार धर्मों (हिंदू-मुस्लिम-ईसाई-यहूदी) के कलाकार अपने पारंपरिक संगीत का फ्यूजन प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने हाल ही में प्रसिद्ध फ्रांसीसी संगीत निर्देशक जोड़ी पॉल आर्मंड-डेइल और एलेक्जेंडर ग्रिन्जपैन के साथ उनके आगामी प्रोजेक्ट के लिए एक रामभजन रिकॉर्ड किया। वर्ष 2017 से, वह पेरिस में यूरोप के सबसे बड़े होली उत्सव में नियमित रूप से प्रदर्शन कर रही हैं। हर साल इस उत्सव में 30000 से ज्यादा लोग हिस्सा लेते हैं। श्रीमती बतूल के जीवन ने प्रसिद्ध फ्रांसीसी फिल्म निर्देशक ऑड्रे गॉर्डन को प्रेरित किया है, इसलिए वह बेगम बतूल की संगीत यात्रा पर एक वृत्तांत बना रही हैं।

4. श्रीमती बतूल अपने आस-पास की अन्य महिलाओं को अपनी पसंद के क्षेत्र में काम करने और बाहर निकलने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। उनसे प्रेरित होकर अब उनके समुदाय की लड़कियाँ संगीत सीख रही हैं और प्रदर्शन कर रही हैं। वह नई पीढ़ी को पारंपरिक संगीत सिखा रही हैं और उनके कई शिष्य दुनिया भर में प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।

5. श्रीमती बतूल को वर्ष 2022 में भारत के माननीय राष्ट्रपति से "नारी शक्ति पुरस्कार" प्राप्त हुआ। उन्हें वर्ष 2024 में पेरिस में फ्रांस की सीनेट में "भारत गौरव पुरस्कार", वर्ष 2024 में ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया की संसद में सम्मान प्रमाण पत्र, वर्ष 2023 में राजस्थान के माननीय राज्यपाल द्वारा "राजस्थान गौरव पुरस्कार" से सम्मानित किया गया, वर्ष 2021 में फ्रांस में भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक संगठन द्वारा "अचीवर्स अवार्ड" से सम्मानित किया गया, जीओपीआईओ दक्षिण अफ्रीका से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस 2020 के अवसर पर "उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र" और वर्ष 2022 में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा "राजभाषा सम्मान" प्राप्त हुआ।